संकल्प एक प्रयास

"संकल्प एक प्रयास" 2008 से छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में कार्यरत है और वर्तमान में 5 जिलों में अपनी सेवाएँ दे रही है। संस्था का प्रमुख प्रोजेक्ट "कर्तव्य" है, जो शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए तीन पहल के माध्यम से कार्य करता है:

1. सिख – कक्षा 5 तक के बच्चों के लिए शिक्षा।

2. सृजन – कक्षा 6 से 10 तक के बच्चों के लिए शिक्षा कार्यक्रम।

3. गरिमा – महिलाओं और किशोरियों को सशक्त बनाने और जागरूक करने की पहल।

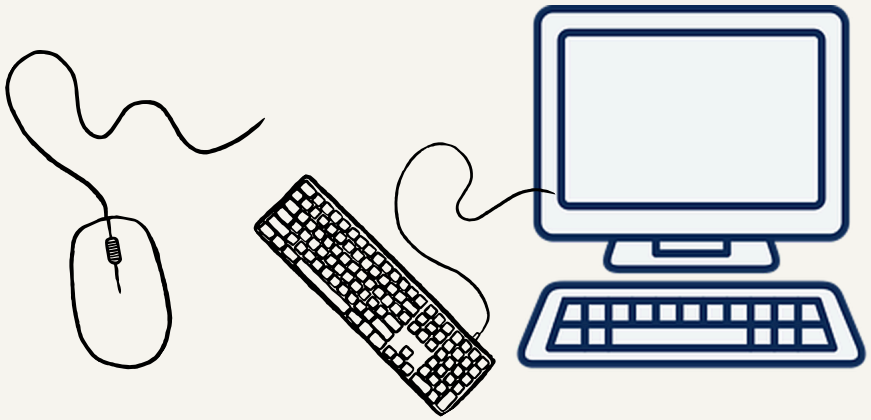

SEML
कंप्युटर लैब

शारदा एनर्जी एंड मिनरल लिमिटेड (SEML) एक प्रमुख ऊर्जा और खनिज कंपनी है जो संकल्प एक प्रयास संस्था के साथ सहयोग कर रही है। SEML का मुख्य उद्देश्य संकल्प एक प्रयास संस्था को विभिन्न तरीकों से समर्थन प्रदान करना है, जिससे संस्था अपने सामाजिक और शैक्षिक कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक चला सके।

SEML के मुख्य योगदान हैं:

1. वित्तीय समर्थन: SEML संकल्प एक प्रयास संस्था को वित्तीय समर्थन प्रदान करती है, जिससे संस्था अपने कार्यक्रमों को चलाने में सक्षम होती है।
2. संसाधन समर्थन: SEML संकल्प एक प्रयास संस्था को संसाधन समर्थन प्रदान करती है, जैसे कि उपकरण, सामग्री, और विशेषज्ञता।
3. तकनीकी समर्थन: SEML संकल्प एक प्रयास संस्था को तकनीकी समर्थन प्रदान करती है, जैसे कि आईटी समर्थन और डिजिटल सॉल्यूशन।
4. सामाजिक समर्थन: SEML संकल्प एक प्रयास संस्था को सामाजिक समर्थन प्रदान करती है, जैसे कि सामुदायिक विकास कार्यक्रमों में सहयोग।

संकल्प एक प्रयास संस्था और SEML के बीच के सहयोग से संस्था को अपने कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी ढंग से चलाने में मदद मिलती है, जिससे सामाजिक और शैक्षिक परिवर्तन लाने में मदद मिलती है।

Website:www.sanklpekprays.org

Email:sankalpeekprayas@gmail.com

संकल्प के उद्देश्य

- निशुल्क शिक्षा: छठवीं से दसवीं तक के ग्रामीण बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान करना।
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा: खेलों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।
- बच्चों का विकास: बच्चों के शारीरिक, मानसिक, और भावनात्मक विकास को बढ़ावा देना।

संकल्प की विशेषताएं

- खेलों के माध्यम से शिक्षा: खेलों के माध्यम से बच्चों को शिक्षा प्रदान करना।
- निशुल्क शिक्षा: छठवीं से दसवीं तक के ग्रामीण बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान करना।
- ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान: ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों पर विशेष ध्यान देना।

\संकल्प के प्रयास सृजन के अन्तर्गत चलने वाले कार्य :

- एलआईसी लर्निंग रिसोर्स सेंटर: छठवीं से दसवीं तक के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए एक लर्निंग रिसोर्स सेंटर चलाया जाता है।
- ई -उड़ान : बच्चों को डिजिटल लर्निंग की सुविधा प्रदान करने के लिए एक प्रोजेक्ट चलाया जाता है।
- कंप्यूटर शिक्षा: आधुनिक युग में कंप्यूटर शिक्षा के महत्व को देखते हुए, बच्चों को कंप्यूटर लर्निंग सिखाने के लिए एक प्रोजेक्ट चलाया जाता है।
- साइंस मेला : बच्चों के मन से विज्ञान के प्रति डर को हटाना और हर एक बच्चा विज्ञान को सीख सकता है इसके लिए बच्चों को प्रयोग विधि से विज्ञान से शिखाना
- एनएमएमएसई छात्रवृत्ति की तैयारी: छात्रवृत्ति की तैयारी करने का उद्देश्य है कि बच्चों की आर्थिक स्थिति में सुधार करना और बच्चों को आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना

कंप्यूटर लैब की आवश्यकता

📌 1. डिजिटल युग में शिक्षा का आधुनिकीकरण
आज के दौर में कंप्यूटर ज्ञान उतना ही महत्वपूर्ण है जितना किताबों का।
छात्रों को डिजिटल लर्निंग, ऑनलाइन रिसर्च और टेक्नोलॉजी से जोड़ना जरूरी है।

📌 2. ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल विभाजन (Digital Divide) को कम करना
शहरी और ग्रामीण बच्चों के बीच तकनीकी शिक्षा की खाई को पाटना।
गाँवों में भी बच्चों को कोडिंग, इंटरनेट और डिजिटल टूल्स से जोड़ना।

📌 3. कौशल विकास और रोजगार के नए अवसर
MS Office, टाइपिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, बेसिक कोडिंग जैसी स्किल्स विकसित करना।
छात्रों को भविष्य में आईटी और डिजिटल क्षेत्र में रोजगार के लिए तैयार करना।

📌 4. प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा में मदद
NMMSE, NTSE, JEE, NEET जैसी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ऑनलाइन संसाधनों की सुविधा।
छात्रों को ऑनलाइन कोर्स, डिजिटल लाइब्रेरी और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म से जोड़ना।

📌 5. विज्ञान और प्रायोगिक शिक्षा को बढ़ावा
विज्ञान मेले (Science Fair) और डिजिटल प्रोजेक्ट्स के माध्यम से बच्चों को व्यावहारिक ज्ञान देना।
रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, और अन्य तकनीकी क्षेत्रों में रुचि विकसित करना।

📌 6. सरकारी योजनाओं और डिजिटल इंडिया पहल से जुड़ाव
सरकारी योजनाओं (e-Learning, PM eVidya, Digital India) का लाभ उठाना।स्कूलों को स्मार्ट क्लासरूम और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर से जोड़ना।

📌 7. सामुदायिक विकास और डिजिटल साक्षरता
केवल बच्चों ही नहीं, बल्कि गाँव के अन्य लोगों को भी डिजिटल सेवाओं से जोड़ना।
डिजिटल बैंकिंग, ऑनलाइन सेवाओं और सरकारी योजनाओं की जानकारी देना।

कंप्यूटर लैब के लाभ:

कंप्यूटर लैब के कई लाभ हैं। यह लैब छात्रों को कंप्यूटर की मूल बातें सिखाने और उन्हें डिजिटल रूप से साक्षर बनाने में मदद करेगी। इसके अलावा, कंप्यूटर लैब छात्रों को अपने करियर में आगे बढ़ने में भी मदद करेगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में कंप्यूटर शिक्षा की कमी:

ग्रामीण क्षेत्रों में कंप्यूटर शिक्षा की कमी के कई कारण हैं। इनमें से एक मुख्य कारण यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा नहीं है। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों में कंप्यूटर शिक्षा के लिए योग्य शिक्षकों की कमी भी है।
कंप्यूटर लैब की आवश्यकता के निम्नलिखित कारण हैं:

- कंप्यूटर शिक्षा की कमी को दूर करने के लिए
- छात्रों को कंप्यूटर की मूल बातें सिखाने के लिए
- छात्रों को डिजिटल रूप से साक्षर बनाने के लिए
- छात्रों को अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद करने के लिए

एसईएमएल कंप्यूटर लैब का परिचय:

एसईएमएल कंप्यूटर लैब एक अनोखी पहल है जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कंप्यूटर शिक्षा को बढ़ावा देना है। हमारी लैब में छात्रों को कंप्यूटर की मूल बातें सिखाने के लिए आवश्यक उपकरण और सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं। हमारी विजन यह है कि हम ग्रामीण क्षेत्रों में कंप्यूटर शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

हमारी लैब की विशेषताएं:

- आधुनिक कंप्यूटर और उपकरण
- आवश्यक सॉफ्टवेयर और इंटरनेट सुविधा
- अनुभवी और योग्य प्रशिक्षक
- छात्रों के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण

कवरेज:

हमारी कंप्यूटर लैब ने ग्रामीण क्षेत्रों में 1000 से अधिक छात्रों को कंप्यूटर शिक्षा प्रदान की है। हमारी लैब में 5 कंप्यूटर और आवश्यक सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं। हमारे प्रशिक्षकों ने छात्रों को कंप्यूटर की मूल बातें सिखाने में मदद की है। हमारी लैब ने निम्नलिखित क्षेत्रों में कवरेज प्रदान किया है:

- ग्रामीण क्षेत्रों में कंप्यूटर शिक्षा को बढ़ावा देना
- छात्रों को कंप्यूटर की मूल बातें सिखाना
- छात्रों को डिजिटल रूप से साक्षर बनाना
- छात्रों को अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद करना

कंप्यूटर लैब स्थापना की प्रक्रिया

विद्यालय का चयन: गाँव में उपयुक्त पूर्व माध्यमिक शाला का चयन किया गया, जहाँ कंप्यूटर लैब की आवश्यकता थी।

अनुमति प्रक्रिया:पहले DEO (District Education Officer) से आधिकारिक अनुमति प्राप्त की गई।
फिर, विद्यालय के प्रधानाध्यापक (Head Master) से सहमति ली गई।

लैब स्थापना:कंप्यूटर, बिजली, इंटरनेट और अन्य आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की गई।
सिस्टम को स्थापित कर आवश्यक सॉफ़्टवेयर इंस्टॉल किए गए।

शिक्षकों का प्रशिक्षण:विद्यालय के शिक्षकों को कंप्यूटर संचालन और डिजिटल शिक्षण पद्धतियों का प्रशिक्षण दिया गया।
ताकि वे बच्चों को प्रभावी ढंग से कंप्यूटर शिक्षा प्रदान कर सकें।

बच्चों की शिक्षा:छात्रों को बेसिक कंप्यूटर स्किल्स, डिजिटल लर्निंग, टाइपिंग, इंटरनेट उपयोग और MS Office का प्रशिक्षण दिया गया।
उन्हें प्रैक्टिकल एक्सपेरिमेंट्स और प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग के माध्यम से सीखने का अवसर मिला।

कंप्यूटर लैब की प्रमुख उपलब्धियाँ

✅ 1000+ बच्चों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ा गया
ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे अब कंप्यूटर और डिजिटल लर्निंग से परिचित हो रहे हैं।
बच्चे MS Office, इंटरनेट ब्राउज़िंग, टाइपिंग, और बेसिक कोडिंग सीख रहे हैं।

✅ 20 गांवों में 100 कंप्यूटर की स्थापना
प्रत्येक गाँव में 5-5 कंप्यूटर दिए गए, जिससे शिक्षा की पहुँच बढ़ी।
पहली बार कई बच्चों को कंप्यूटर पर काम करने का अनुभव मिला।

✅ शिक्षकों को तकनीकी प्रशिक्षण
स्कूल के शिक्षकों को भी कंप्यूटर शिक्षा दी गई, जिससे वे बच्चों को प्रभावी ढंग से सिखा सकें।
अब शिक्षक ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग करके पढ़ा रहे हैं।

✅ NMMSE की तैयारी में सहयोग
छात्रों को National Means-Cum-Merit Scholarship (NMMSE) के लिए तैयार किया जा रहा है।
डिजिटल लर्निंग के माध्यम से उनकी तैयारी में सुधार हुआ है।

✅ विज्ञान मेला (Science Fair) का आयोजन
बच्चों को प्रायोगिक रूप से विज्ञान सीखने का अवसर मिला।
छात्रों ने इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स बनाए और उनकी समझ विकसित हुई।

✅ गाँव में डिजिटल जागरूकता बढ़ी
अब बच्चे ऑनलाइन सेवाओं, ई-लर्निंग, आदि से परिचित हो रहे हैं।
डिजिटल इंडिया पहल को गाँवों तक पहुँचाने में योगदान।

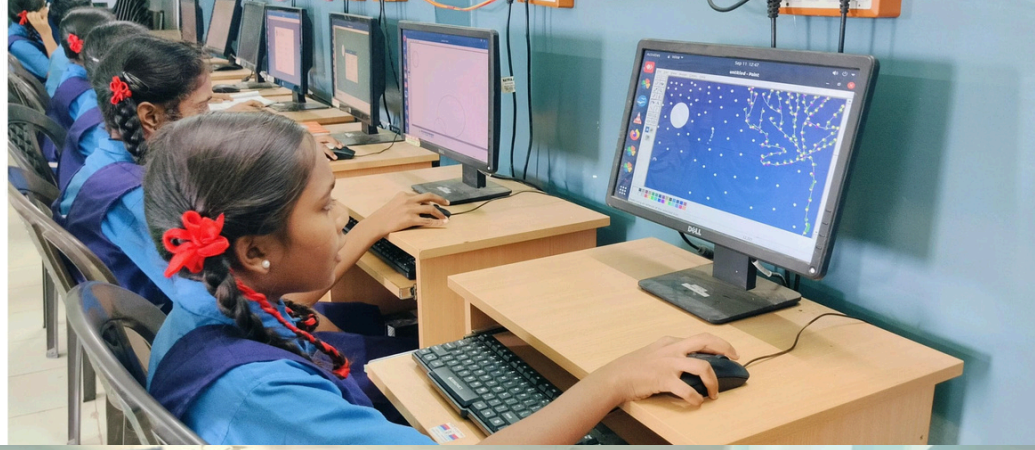

✅ परिणाम:
इस पहल के माध्यम से 1000+ बच्चों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ा गया, जिससे वे तकनीकी ज्ञान और आधुनिक शिक्षा के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

संभावित प्रभाव:

✅ 10,000+ बच्चों को डिजिटल शिक्षा मिलेगी।
✅ गाँवों में डिजिटल साक्षरता बढ़ेगी।
✅ बच्चे ऑनलाइन संसाधनों और आधुनिक तकनीकों से जुड़ सकेंगे।
✅ साइंस फेयर, NMMSE तैयारी और प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग को बढ़ावा मिलेगा।

इस योजना को प्रभावी बनाने के लिए यदि कोई और महत्वपूर्ण बिंदु जोड़ना हो, तो बताइए!

आगामी कार्य योजना: 250 गाँवों में कंप्यूटर लैब स्थापना

🚀 लक्ष्य: अगले चरण में 250 गाँवों में कंप्यूटर लैब स्थापित करना , जिससे 10,000+ बच्चों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ा जाएगा।

कार्य योजना:

गाँवों का चयन और सर्वेक्षण

250 गाँवों की पहचान करना, जहाँ डिजिटल शिक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता है।
विद्यालयों की वर्तमान स्थिति और संसाधनों का आकलन।

अनुमति और साझेदारी

सरकार, पंचायत और विद्यालय प्रशासन से अनुमति प्राप्त करना।
CSR और अन्य संगठनों से साझेदारी कर फंडिंग और संसाधनों की व्यवस्था करना।

इन्फ्रास्ट्रक्चर और संसाधन उपलब्ध कराना

प्रत्येक गाँव में 5-5 कंप्यूटर स्थापित करना।
इंटरनेट और बिजली की सुविधाओं का प्रबंध करना।

शिक्षकों और छात्रों का प्रशिक्षण

स्कूल शिक्षकों को डिजिटल शिक्षा का प्रशिक्षण देना।
बच्चों के लिए बेसिक कंप्यूटर स्किल्स, इंटरनेट, कोडिंग, MS Office आदि का कोर्स डिजाइन करना।

मॉनिटरिंग और मूल्यांकन

प्रत्येक लैब की प्रगति पर नजर रखने के लिए एक टीम तैयार करना।
समय-समय पर बच्चों की प्रगति का मूल्यांकन करना।